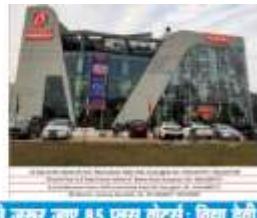


मुक्त संस्करण
लिंग 2
05 मई, 2024
पृष्ठ 12, शेष 124
पृष्ठ 08
कृति ₹100

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

ह्यूमन इंडिया

हम बनेंगे आपकी आवाज



Website : www.epaperhumanindia.in ; E-mail : humanindiadaily@gmail.com 08 25 नई को बच पर लोट डालने जल्द जाए 85 प्रसंग लोटरी : जिया खेली

इतिहास विभाग द्वारा अतिथि व्याख्यान का आयोजन

ह्यूमन इंडिया / छात्रों

बाल्मीकी विद्यालय बलवद्ध के प्रांगण में

दिनांक 01 मई 2024 को इतिहास विभाग द्वारा एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। विद्यार्थी द्वारा रिहे सार्वकालीन कालिज, दिल्ली के इतिहास विभाग में कार्यत असिस्टेंट प्रोफेसर वर्षिंद्र सिंह ने विषय इतिहास विषय में रोजगार की संभावनाएं पर अपने विचार व्यक्त किये। यह व्याख्यान महाविद्यालय और अध्यात्म विद्यालय प्राचार्य डॉ. संजीव कुमार गुप्ता के द्वारा निर्देशन में हुआ। इतिहास विभाग व्याख्याता डॉ. जयपाल सिंह व सहायक प्रवक्ता डॉ. सुप्रिया दांडा ने सुन्दर वक्ता को पौधा पैट कर स्वागत किया। दीर्घियों प्रश्नविवरण करने के उपरान्त सुन्दर वक्ता वर्षिंद्र सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि इतिहास विषय के विद्यार्थियों के पास कारियर और



अपनी व्यक्तियों के लिए अनुग्रहन आपका होता है।

इतिहास विषय को मूल्य तौर पर आगे लीन भाग में विभक्त किया गया है - आर्कियोलॉजी, ऐतिहासिक और पुरालेख अध्ययन। इतिहास में डिप्लोमेन्स के प्रशासन विद्यार्थी इन बींगों में से किसी भी फील्ड में क्षिप्रता कर सकते हैं। रिसर्च और फील्ड स्टडी,

पुरालेख वेता, सिक्का अध्ययन स्टडी विशेषज्ञ, जैसे छेत्र में भी इतिहास के विद्यार्थी के लिए असीम संभावनाएं हैं। इसके अतिरिक्त इतिहासकार प्रोफेसर, पुरालेख, पुराविज्ञ यूनिएटरी, पीरीएस, सीए और अभिलेखांगन के छेत्र में अनेक रोजगारों के अस्थान हैं। अतः में विद्यार्थियों ने इस विषय से

संबंधित अनेक प्रान पूर्ण जिनका मूल्य कक्षा ने संतुष्टिप्रद जागरूक दिया। इस अवसर पर बी.ए, के इतिहास विषय के 43 विद्यार्थी मौखिक रूप से संवादालन इतिहास विभाग व्याख्याता डॉ. जयपाल सिंह ने किया। ओर में इतिहास विभाग की सहायक प्रवक्ता डॉ. सुप्रिया दांडा ने भव्यकाद डापन किया।



अग्रवाल महाविद्यालय में इतिहास विभाग द्वारा अतिथि व्याख्यान का आयोजन



नेशनल प्रहरी/ रघुबीर सिंह
बहलवगढ़। अग्रवाल महाविद्यालय बहलवगढ़ के प्रांगण में 4 मई 2024 को इतिहास विभाग द्वारा एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें दयाल सिंह सायंकालीन कॉलेज, दिल्ली के इतिहास विभाग में कार्यरत असिस्टेंट प्रोफेसर बीरेंद्र सिंह ने विषय इतिहास विषय में रोजगार की संभावनाएं पर अपने विचार व्यक्त किये।

यह व्याख्यान महाविद्यालय और अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा के अध्यक्ष श्री देवेंद्र कुमार गुप्ता जी और महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. संजीव कुमार गुप्ता के दिशा निर्देशन में हुआ। इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. जयपाल सिंह व सहायक प्रवक्ता डॉ. सुप्रिया ढांडा ने मुख्य वक्ता को पौधा भेंट कर स्वागत किया। दीपशिखा प्रज्ज्वलित करने के उपरान्त मुख्य वक्ता श्री बीरेंद्र सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि इतिहास विषय के विद्यार्थियों के पास करियर और अपनी व्यवस्था के लिए अनगिनत ऑप्शन होते हैं। इतिहास विषय

को मुख्य तौर पर आगे तीन भागों में विभक्त किया गया है-आर्कियोलॉजी, म्यूजियोलॉजी और पुरालेख अध्ययन। इतिहास में डिग्री लेने के पक्षात् विद्यार्थी इन तीनों में से किसी भी फील्ड में विशेषज्ञता कर सकते हैं। रिसर्च और फील्ड स्टडी, पुरालेख वेत्ता, सिक्का अध्ययन स्टडी विशेषज्ञ, जैसे क्षेत्र में भी इतिहास के विद्यार्थी के लिए असीम संभावनाएं हैं। इसके अतिरिक्त इतिहासकार प्रोफेसर, पुरालेख, पुरातत्त्व यूपीएससी, पीसीएस, शोध और अभिलेखागार के क्षेत्र में अनेक रोजगारों के ऑप्शन हैं।

अंत में विद्यार्थियों ने इस विषय से संबंधित अनेक प्रश्न पूछे जिनका मुख्य वक्ता ने संतोषजनक जवाब दिया।

इस अवसर पर बी.ए. के इतिहास विषय के 43 विद्यार्थी मौजूद थे। मंच संचालन इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. जयपाल सिंह ने किया। अंत में इतिहास विभाग की सहायक प्रवक्ता डॉ. सुप्रिया ढांडा ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

इतिहास विभाग द्वारा अतिथि व्याख्यान का आयोजन

आज समाज नेटवर्क

बल्लभगढ़। अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ के प्रांगण में शनिवार को इतिहास विभाग द्वारा एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें दयाल सिंह सायंकालीन कॉलेज, दिल्ली के इतिहास विभाग में कार्यरत असिस्टेंट प्रोफेसर वीरेंद्र सिंह ने विषय इतिहास विषय में रोजगार की संभावनाएं पर अपने विचार व्यक्त किये। यह व्याख्यान महाविद्यालय और अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा के अध्यक्ष देवेंद्र कुमार गुप्ता और महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. संजीव कुमार गुप्ता के दिशा निर्देशन में हुआ। इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. जयपाल सिंह व सहायक प्रवक्ता डॉ. सुप्रिया ढांडा ने मुख्य वक्ता को पौधा भेंट कर स्वागत किया। दीपशिखा प्रज्ज्वलित करने के उपरान्त मुख्य वक्ता वीरेंद्र सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि इतिहास विषय के विद्यार्थियों के पास करियर और अपनी व्यवस्था के लिए अनगिनत औप्शन होते हैं। इतिहास विषय को मुख्य तौर पर आगे तीन



अपना संबोधन देते हुए वक्ता।

आज समाज

भागों में विभक्त किया गया है। आर्कियोलॉजी, म्यूजियोलॉजी और पुरालेख अध्ययन। इतिहास में डिग्री लेने के पश्चात विद्यार्थी इन तीनों में से किसी भी फील्ड में विशेषज्ञता कर सकते हैं। रिसर्च और फील्ड स्टडी, पुरालेख वेता, सिक्का अध्ययन स्टडी विशेषज्ञ, जैसे क्षेत्र में भी इतिहास के विद्यार्थी के लिए असीम संभावनाएं हैं। इसके अतिरिक्त इतिहासकार प्रोफेसर, पुरालेख, पुरातत्ववेता यूपीएससी, पीसीएस,

शोध और अभिलेखागार के क्षेत्र में अनेक रोजगारों के आप्शन हैं। अंत में विद्यार्थियों ने इस विषय से संबंधित अनेक प्रश्न पूछे जिनका मुख्य वक्ता ने संतोषजनक जवाब दिया। इस अवसर पर बी.ए. के इतिहास विषय के 43 विद्यार्थी मौजूद थे। मंच संचालन इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. जयपाल सिंह ने किया। अंत में इतिहास विभाग की सहायक प्रवक्ता डॉ. सुप्रिया ढांडा ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश में प्रसारित हरियाणा का हिन्दी दैनिक

सत्यजय टाइम्स



हिन्दी दैनिक

वर्ष- 13, अंक- 124 रविवार 05 मई, 2024, पृष्ठ 8, मूल्य 2 रुपये (फरीदाबाद से प्रकाशित) प्राप्त: कालीन संस्करण

RNI NO HARRIN/2012/43543 Ph. 0129- 4042533, Email: sjtfaridabad@gmail.com @SatyajayT satyajaytimes

8

फरीदाबाद

फरीदाबाद, रविवार 05 मई, 2024

संक्षिप्त समाचार

अतिथि व्याख्यान का आयोजन

बलभग्न, 04 मई, सत्यजय टाइम्स/गोपाल अरोड़ा। आवाल मलविहाल वर्षाल के प्राग्न ये शनिवार को झीलाम सिलान ताहुए एक अतिथि व्याख्यान का



अतिथि व्याख्यान में भाग लेते छात्र-छानाएं।

छात्रा सत्यजय टाइम्स/पुष्पा अववाल।

आयोजन किया गया। जिसमें दशल सिंह सावकारीन कलेज, दिल्ली के झीलाम सिलान में कलेज असिस्टेंट प्रोफेसर नवीन सिंह ने विषय झीलाम सिलान में डॉक्यार को समाजमें पर अपने विचार व्यक्त किये। झीलाम सिलान व्याख्यान द्वारा, जपपत सिलान व सहायक प्रवक्ता डॉ. सुधिंदा द्वारा ने मुख्य वक्ता को पौधा बोट कर खाता किया। दीपांकरा इन्डिलित करने के उपरान्त मुख्य वक्ता वीरेंद्र सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि झीलाम सिलान के विवादियों के पास करियर और अपनी व्यवस्था के लिए अनगिनत शोधन होते हैं। झीलाम सिलान को मुख्य तौर पर अग्री तीन आगों में विभाजित किया गया है। आकिंयोंकी, मूर्खोंकी और पुरालेख अवधान। झीलाम में द्वितीय लेन के पश्चात लिलावी इन तीनों में से किसी भी फोल्ड वे विसेप्तता कर सकते हैं। रिसर्च और फोल्ड रट्टी, पुरालेख वेता, सिक्का अवधान रट्टी विशेष, जैसे केत्र वे भी झीलाम के विवादियों के लिए असीम संधारनाएँ हैं। इसके अतिरिक्त झीलामसका प्रोफेसर, पुरालेख, पुरालेखता गृणीएस, गोपीनाथ, गोपी और व्यभिलेखागत के क्षेत्र में अद्विक गुणवानों के अधिकार हैं। अत में विवादियों ने इस विषय से संबंधित अपने प्रसन्न पूर्ण जिनका मुख्य वक्ता ने योगीप्रबन्ध जवाब दिया। इस अवसर पर बीए के झीलाम सिलान के 43 विवादियों ने विवादियों की सहायक प्रवक्ता डॉ. सुधिंदा द्वारा घन्कवाद जापन किया।

इतिहास विभाग द्वारा अतिथि व्याख्यान का आयोजन



फरीदाबाद, जनतंत्र टूडे

अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़ के प्रांगण में दिनांक 04 मई 2024 को इतिहास विभाग द्वारा एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें दयाल सिंह सार्यकालीन कॉलेज, दिल्ली के इतिहास विभाग में कार्यरत असिस्टेंट प्रोफेसर श्री तीरेंद्र सिंह ने विषय "इतिहास विषय में रोजगार की संभावनाएं" पर अपने विचार व्यक्त किये।

और पुरालेख अध्ययन। इतिहास में डिग्री लेने के पश्चात विद्यार्थी इन तीनों में से किसी भी फ़िल्ड में विशेषज्ञता कर सकते हैं।

रिसर्च और फ़िल्ड स्टडी, पुरालेख वेत्ता, सिक्का अध्ययन स्टडी विशेषज्ञ, जैसे क्षेत्र में भी इतिहास के विद्यार्थी के लिए असीम संभावनाएं हैं। इसके अतिरिक्त इतिहासकार प्रोफेसर, पुरालेख, पुरातत्व यूनीएससी, पीसीएस, शोध और अभिलेखागार के क्षेत्र में अनेक रोजगारों के ऑप्शन हैं।

अंत में विद्यार्थीयों ने इस विषय से संबंधित अनेक प्रश्न पूछे जिनका मुख्य वक्ता ने संतोषजनक जवाब दिया। इस अवसर पर बी.ए. के इतिहास विषय के 43 विद्यार्थी मौजूद थे। मंच संचालन इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. जयपाल सिंह ने किया। अंत में इतिहास विभाग की सहायक प्रवक्ता डॉ. सुप्रिया ढांडा ने धन्यवाद जापन किया।